

प्रेषक,

ओम प्रकाश,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
विद्यार्थी शिक्षा,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून दिनांक: 05 सितम्बर, 2008

विषय:-

वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्यय में कतिपय योजनाओं में आवश्यकता से न्यून धनराशि होने के कारण पुनर्विनियोग के माध्यम से धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक अर्थ/16766/5क(14)/2008-09; दिनांक: 19 जुलाई, 2008 के सदर में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में संलग्न बी0एम0-15 प्रपत्रों में उल्लिखित विवरणानुसार माध्यमिक शिक्षा के अन्तर्गत विभिन्न योजनाओं में पुनर्विनियोग के माध्यम से आयोजनोत्तर पक्ष में माशि. परिषद की परीक्षाओं में प्रथम 10 स्थान प्राप्त करने वाले परीक्षार्थियों को विशेष शैक्षिक सुविधायें योजनान्तर्गत मानक मद 21-छात्रवृत्तियाँ और छात्र वेतन के अन्तर्गत धनराशि रु0 56000.00 (रु0 छप्पन हजार मात्र) एवं आयोजनागत पक्ष में राज्य शिक्षा उन्नयनसमिति के कार्यालय भवन के किराये के भुगतान हेतु मानक मद 17-किराया, उपशुल्क एवं कर स्वामित्व मद में रु0 1.32 लाख कम्प्यूटर क्रय मद में रु0 82000/- तथा विकास खण्ड स्तर पर शिक्षा अधिकारी कार्यालयों हेतु चिकित्सा प्रतिपूर्ति मद में रु0 5.00 लाख अर्थात् कुल धनराशि रु0 714,000.00 (रु0 सात लाख चौदह हजार मात्र) एवं इस प्रकार कुल रु0 770,000.00 (रु0 सात लाख सत्तर हजार मात्र) की धनराशि को स्वीकृत किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर किया जायेगा और किसी भी दशा में इस धनराशि का उपभोग चालू वित्तीय वर्ष की नई मदों के क्रियान्वयन हेतु नहीं किया जायेगा। उक्त स्वीकृति धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों/सुसंगत शासनादेशों के तहत नियमानुसार निम्नलिखित शर्तों के अधीन किया जायेगा:-

1. योजनाओं की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के अनुरूप ही किया जायेगा तथा जहाँ आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की पूर्व सहमति/स्वीकृति प्राप्त की जायेगी।
2. यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि धनराशि को किसी भी ऐसी मद पर व्यय न किया जाये जिसके लिए वित्तीय हस्तपुस्तिका तथा बजट मैनुयल के नियमों के अन्तर्गत अन्य सक्षम अधिकारी को पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो।
3. अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय न किया जाय और इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष की देनदारी अगले वर्ष के लिए कदपि न छोड़ी जाय।

अर्थ

4. मितव्ययता के सम्बन्ध में जारी किये गये शासनादेशों अथवा भविष्य में जारी होने वाले शासनादेशों का विशेष रूप से फलन किया जायेगा।
- 3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्यय में अनुदान संख्या:-11 के अधीन लेखाशीर्षक 2202-सामान्य शिक्षा-02-माध्यमिक शिक्षा के अधीन संलग्न बी0एम0-15 में उल्लिखित सम्बन्धित ब्यौरेवार शीर्षक/सुसंगत प्राथमिक इकाइयों के नामे डाला जायेगा।
- 4- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या: 50 (P)/वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/2008; दिनांक: 26/8/2008 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।
संलग्नक:-बी0एम0-15

भवदीय,

(ओम प्रकाश)
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 1478(1)/XXIV-3/08/02(18)2008; तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 मुख्य मंत्री जी।
- 3- निजी सचिव, नम0 शिक्षा मंत्री जी।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक, गढ़वाल मण्डल पौड़ी/कुमायू गढ़वाल मण्डल, नैनीताल।
- 6- अपर शिक्षा निदेशक, गढ़वाल मण्डल- पौड़ी।
- 7- समस्त, जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 8- समस्त, कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 9- समस्त जिला शिक्षा अधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 10- वित्त अनुभाग-3/नियोजन प्रकोष्ठ।
- 11- वित्त आयोग निदेशालय, उत्तराखण्ड शासन।
- 12- बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय।
- 13- प्रम0आई0सी0 सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 14- गार्ड फाईल।

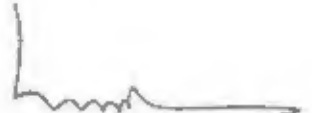
आज्ञा से,

(पी0एल0शाह)
उप सचिव।

अपि

उत्तराखण्ड शासन
वित्त अनुभाग-3
संख्या: 50(P)/वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/2008.
देहरादून, दिनांक: 26 अगस्त, 2008

पुनर्विनियोग स्वीकृत.


(एल0एम0पन्त) 26/8/2008
अपर सचिव।

सेवा में,

महालेखाकार,
(लेखा एवं हकदारी)
उत्तराखण्ड, देहरादून।

संख्या: 1478(1)/XXIV-3/08/02(18)2008; तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित—

- 1- निदेशक, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- सभस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 3- वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड सचिवालय।
- 4- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(पी0एल0शाह)
उप सचिव।